<u>एचआईवी/ एड्स के लिए व्यहवार परिवर्तन संचार</u>

व्यवहार परिवर्तन संचार क्या है?

सामान्य रूप से व्यवहार परिवर्तन संचार ऐसी प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत लोगों की परिस्थितियों को समझ कर ऐसे सन्देश पहुँचाना है जो की उन परिस्थितियों से पैदा होने वाली समस्याओं के हल ढूंढ सके एवं संचार प्रक्रियाओं तथा मीडिया के उपयोग से एचआईवी/ एड्स के खतरों में डालने वाले नज़रिए और व्यवहार को बदल सके.

व्यवहार परिवर्तन संचार, विशेष रूप से एक बहुस्तरीय उपकरण है जो कि ऐसे व्यवहार को व्यतिगत एवम सामूहिक स्तर पर स्थायी रूप से कम करने कि कोशिश करता है. इसके माध्यम स्वास्त्य संदेशों का वितरण तथा पूर्वनिर्धारित एवं परिभाषित संचार चैनल है.

इसलिए व्यवहार परिवर्तन संचार उपयोगी चैनलों के द्वारा लोगों के व्यवहार बदलाव पर ध्यान केन्द्रित करता है. ये देखा गया है कि व्यक्ति के व्यवहार एवं बदलाव पर सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक अनुभवों का प्रभाव पड़ता है. संचार के माध्यम सामाजिक विज्ञापन, मास मीडिया, सामुदायिक आउटरीच, पारस्परिक तरीके आदि हो सकते है.

इससे पहले कि इस महामारी को तीव्र गति से कम किया जा साके, यह ज़रूरी है कि लोग और समुदाय इसकी गंभीरता को समझे. इस अंत हेतु, एचआईवी/ एड्स के बुनियादी तथ्य, इससे बचने के तरीके, उपयुक्त सेवाए एवं उत्पाद उन तक पहुचाये जाने चाहिए. सबसे आवश्यक यह है कि उनके आस पास का वातावरण सुरक्षित व्यवहार को पाने अवं बनाये रखने के लिए एक सहायक तत्त्व कि तरह काम करे.

जैसा कि यह ज्ञात है एचआईवी/ एड्स एक यौन संचारिक संक्रमण है इसलिए यह आवश्यक है कि राष्ट्रीय तथा सामुदिक स्तर पर सेक्स तथा कामुकता, संक्रमण के खतरे में डालने वाली स्थितियों एवं व्यहवार पर विचार- विमर्श किया जाये.

यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि एचआईवी/ एड्स लोगों को सांस्कृतिक आदर्शो का सामना करने पर मजबूर करता है. इसलिए व्यवहार परिवर्तन संचार एक ऐसा उपकरण है जो संवेदनशील, प्रभावी तथा ज़िम्मेदार तरीके से इस समस्या को सुलझाने के लिए उपयुक्त है. इसके साथ-साथ

यह उपकरण हमें यह जानने में भी मदद करता है कि किस तरह एचआईवी/ एड्स सामाजिक-आर्थिक माहौल पर असर डालता है.

<u>व्यहवार परिवर्तन संचार के प्रभावी उपयोग</u>

एक प्रभावी व्यहवार परिवर्तन संचार का उपयोग निम्न तरीकों से किया जाना चाहिए-

ज्ञान बढ़ाये - ज्ञान की बढ्होत्री तब होती है जब लोगों के पास तथ्य सहज भाषा, दृश्य या अन्य माध्यमओं में हो. व्यहवार परिवर्तन संचार का उपयोग प्रभावी तब है जब वह लोगों में ऐसी मंशाए स्तापित कर सके जोकि उनके व्यहवार को सकारात्मक रूप में बदले.

सामूहिक संवाद को प्रोत्साहन - व्यहवार परिवर्तन संचार का उपयोग उन सामुदायिक तथा राष्ट्रीय स्तर के संवादों को प्रोत्साहित करने में होना चाहिए जिनका आधार महामारी को बढ़ावा देनेवाले मूलभूत कारणओं पर आधारित है. यह कारण लापरवाही, संवेदनशील परिस्थितियां और परर्यावरण संभंधि हो सकते है. इसके आलावा व्यहवार परिवर्तन संचार का ध्यान लोगों में सुचना एवं सेवाओं की मांग बढ़ने और उन उद्देश्यों पर निशाना साधने पर होना चाहिए जो संवेदनशील स्थितियों, लापरवाही के स्वाभाव तथा महामारी को सामाजिक कलक मानानेवाली नज़रिए को जन्म और बढ़ावा देते है.

सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा- सामुदायिक सहभागिता, व्यहवार परिवर्तन संचारओं के इस्तेमाल से यह निश्चित कर सकती है की निति निर्माता तथा समाज के प्रतिनिधि पूर्ण मन तथा गंभीरता से योजनाएं बनाये. यह सहभागिता सामान्य रूप से राष्ट्रीय स्तर से होते हुआ स्तानीय स्तर पर पायी जाती है.

एचाईवी/एड्स को सामाजिक कलक मानाने वाले नज़रिए तथा भेदभाव में कमी- व्यवहार परिवर्तन संचार से इन नज़रियों पर जोर डाला जा सकता है और साथ ही साथ, उनके खिलाफ सामाजिक प्रतिक्रियाऐ शुरू की जा सकती है.

रोकथाम, देखभाल और सहायता सम्बन्धी सेवाओ को बढ़ावा- व्यवहार परिवर्तन संचार निम्न सेवाओं को बढ़ावा दे सकती है- यौन द्वारा फैलनेवाले संक्रमण के विषय में सुचनाए, अनाथ एवं संवेदनशील परिस्थितिओं के बच्चों की मदद, स्वेच्छिक परामर्श एवं एचाईवी परिक्षण में सहायता, माँ से बच्चों में फ़ैलानेवाले संचरण की रोकथाम, पीड़ितओं के लिए समर्थन समूह तथा अवसरवादी संक्रमण के लिए चिकित्सीय, सामाजिक एवं आर्थिक देखभाल.

कुछ सबक

एचआईवी/एड्स कि रोकथाम और चिकित्सा सहयोग करिक्रमों का व्यवहार परिवर्तन संचार एक अभिन्न अंग है अतः यह आवश्यक है कि इसे एचआईवी/एड्स सम्बंधित लक्ष्यों तथा विशिष्ठ उद्देश्यों का हिस्सा बनाया जाये. जोर व्यक्तिगत व्यवहार को बदलने तथा उन कारणों पर होना चाहिए जो जोखिम में डालनेवाले वातावरण को जन्म देते है.

इस महामारी से सम्बंधित लोगों और समुदायों को व्यहवार परिवर्तन संचार के हर हिस्से और विकास में भाग लेना चाहिए. विभिन्न माध्यमों में से सबसे ज्यादा प्रभावी माध्यम का उपयोग करना चाहिए.

भय पैदा करनेवाली तरीकों का उपयोग प्रभावी नहीं पाया गया है. कार्यक्रम कि शुरुआत से ही व्यहवार परिवर्तन संचार में निगरानी तथा मुल्यांकन शामिल होने चाहिए.

व्यहवार परिवर्तन संचार के उदाहरण

- मास मीडिया, परामर्श और अन्य तरीकों से सहकर्मी शिक्षा के संवर्धन.

- नाई तथा बाल काटनेवाले पेशे के लोगों में एचआईवी/ एड्स सम्बन्धी जागरूकता प्रदान करना ताकि वे अपने ग्राहकों में इसकी रोकथाम के कार्यक्रमों का प्रसार कर सके.

- वाणिज्यिक ड्राइवरों के कार्य कि प्रकृति उन्हें आधिक संवेदनशील परिस्थितियों में डालती है इसलिए सहकर्मिओं द्वारा एच आई वि/एड्स कि शिक्षा तथा कंडोम के इस्तेमाल की गंभीरता का ज्ञात करना.